

राज्यपाल ने किया 'कलाम किचन' एवं 'कलाम डिजिटल स्कूल' का शुभारम्भ

डॉ० अब्दुल कलाम देश के लिये सपने देखते थे

डॉ० कलाम की शिक्षाओं को युवा आत्मसात करें – राज्यपाल

लखनऊ : 15 अक्टूबर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन लखनऊ से पूर्व राष्ट्रपति डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम की 89वीं जयन्ती के अवसर पर डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम सेन्टर द्वारा लखनऊ में शुरू किये जा रहे 'कलाम किचन' का ऑनलाइन शुभारम्भ किया। उन्होंने 'कलाम डिजिटल स्कूल' का भी शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत रत्न डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम देश के लिये सपने देखते थे। देश को अंतरिक्ष में पहुंचाने और मिसाइल क्षमता से लैस करने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने अपने को सदैव एक शिक्षक ही माना। उन्होंने कहा कि डॉ० कलाम ज्ञान आधारित समाज का सपना देखते थे और उनका दृष्टिकोण समाधान केन्द्रित था।

राज्यपाल ने कहा कि डॉ० अब्दुल कलाम ऐसे राष्ट्र नायक थे, जिन्होंने अपने कार्यों और विचारों से न केवल लोगों को प्रेरित किया, बल्कि युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हुए असम्भव को भी सम्भव कर दिखाने की प्रेरणा दी। उनकी दी हुई शिक्षाओं को हमारे युवाओं को आत्मसात करने की जरूरत है। उन्होंने विज्ञान के साथ सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक क्षेत्र में भी कई नये विचार दिये। राज्यपाल ने कहा कि डॉ० कलाम का कहना था कि युवाओं को यदि सही दिशा दिखाई जाए तो वे मानवता के लिए परिवर्तनकारी बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज डॉ० कलाम के सकारात्मक कार्य करते रहने की प्रवृत्ति को युवाओं को अपने जीवन से जोड़ने की जरूरत है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि देश की युवा पीढ़ी नये-नये आविष्कार करें और एक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में अपना योगदान दे। भारत को एक ऐसा देश बनाना है, जहां गांव-शहर का अन्तर न के बराबर हो, जहां सभी के

लिए संसाधनों की समान उपलब्धता हो, जहां हर किसी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा और अच्छी शिक्षा मिले। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की विशेष भूमिका है। उन्होंने कहा कि निरन्तर प्रयासों से और सबके साथ मिलकर हम इस सपने को साकार कर सकते हैं।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम के विजन को आगे ले जाने में कलाम सेन्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लखनऊ में 'कलाम किचन' की शुरुआत उन लोगों के लिए की जा रही है, जिनकी आय में कोरोना महामारी के कारण कमी आई है। यह किचन अगले दो महीने तक 10 हजार से भी अधिक लोगों की मदद मासिक राशन किट देकर करेगा। 'कलाम डिजिटल स्कूल' के माध्यम से विद्यार्थी निःशुल्क एनिमेशन द्वारा डा० कलाम से सीधे पढ़ सकते हैं।

इस अवसर पर कलाम सेंटर के सी०ई०ओ० श्री सृजन पाल सिंह नई दिल्ली से, कलाम सेंटर के ट्रस्टी डा० अशोक विखे पाटिल, सुश्री रितु प्रकाश छाबरिया लंदन से, सुश्री पायल राजपाल पुणे से एवं गोदरेज से डिम्पी देव आनलाइन जुड़ी हुई थी।

